



# भारत का द्वारा प्रकाशित गजेट The Gazette of India

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
 PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
**PUBLISHED BY AUTHORITY**

सं. ५८७]

नई विल्ली, शक्ति वार, नवम्बर 3, 1989/कालिक 12, 1911

No. 587 | NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 3, 1989/KARTIKA 12, 1911

इस भाग में भिन्न प्रकार संख्या की जाती है जिससे इन प्रकार अरु ग संकलन के लिए भी इस जा सके

Part A Pricing is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

प्रिय संग्रहालय

( राजस्व विभाग )

શાસ્ત્રીયતા

१६ दिसंबर ३ वर्ष १९४९

ग ३६/४७ देवी, उत्ताद शास्त्र (पत्र टी.)

सा वानि ९६४(प्र) -- वर्षीय समाचार कन्द्रिय उत्तादण्ड और नमस्कार अधिनियम १९११ (१९११ रा १) का प्राप्ति ३७ शारण प्रदत्त गणितों का प्रयोग वर्तन्ते हुए कन्द्रिय उत्तादण्ड नियम १९११ का शोर गंभीरता करने के लिए नियमित विविध नियम बनानी है प्रयत्नि --

1 (1) इन नियमों का नाम बन्दीप्र उत्पाद-ग्रन्थ (राजस्थान मंशाधन) नियम 1999 है।

( 2 ) ये गाजपत्र ए प्रकाशने र्वीनारीच्या पा यशस्व वागे।

2 वैद्वीय उत्तराधिकार नियम 1941 के नियम २२वं म--

(1) उपनियम (2) के खड़ (र) और खड़ (ख) के रूपान पर निम्नर्दिखा खड़ रखे जाएंगे अर्थात् —

“(क) उग्रक गरीबी का सम्बन्ध, परिष्कारण, पुनरनुकूलन के प्रयोगों के लिए या अधिकारी उत्पादों के वितरण के लिए तोई अन्य आवश्यक संक्षिप्ताएँ इनमें के लिए ऐसे दूरबान ने वाहर विर्मी स्थान को हटा सकेगा और अधिक उग्राद के वितरण में आगे प्रयोग के लिए आगे कानूनों को लौटा सकेगा या उसे नियति के लिए अधिकारी एक का सदाय किए बिना हटा सकेगा, परन्तु यह तब जब तक ऐसी मतियाँ के दौरान उपर तौर पर आता अपरिष्ट भी यदि कोई हो, उक्त दूरबान से लौटा दिया जाए,

(य) अंतिम उत्पाद के विनिर्माण एवं लिए आवश्यक मध्यवर्ती उत्पादों के विनिर्माण के प्रयोजनों के लिए ऐसे कारखाने के बाहर विरासी स्थान वा हठा संकेता और अंतिम उत्पाद वा विनिर्माण में आगे प्रयोग के लिए अपने कारखाने वा उन मध्यवर्ती उत्पादों वा लोटा संकेता या उसे नियंत्रित वा लिए बदलावाधीन भूत्व का सदाय या विना हठा मध्यगा परन्तु यह सब जब कि ऐसे मध्यवर्ती उत्पादों के विनिर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाला प्रणिष्ठित भी, यदि वोई या उन वारखाने वा लोटा विया जाए ।

(2) उपनियम (3) के परामुक के स्थान पर निम्नलिखित पर परामुक रखा जाएगा, अर्थात्—

“परामुक वंधपत्राधीन नियमि के लिए निकासी किए गए अनियम उत्ताव में प्रयोग या उपनियम (2) के अनुसार नियमि के लिए निकासी किए गए मजदूरी उत्पादों में प्रयुक्त निवेशों के संबंध में विनिर्दिष्ट शुल्क का मुजला, शुल्क का संदाय करके और जहां, किसी कारण से, ऐसा समायोजन संस्थाव भर्ती है वहां, विनियमिता को ऐसे रखोपायों, जलों और निवेशों के अधीन रहने वाले जो केन्द्रीय रारकार याजपत्र में विनिर्दिष्ट करे, प्रतिसंदाय करके देशी उपभोग के लिए निकासी किए गए ही अनियम उत्पादों पर उत्ताव-शुल्क के सभा मद्दे उपयोग किए जाने की समृद्धि जाएगी।”

[का नं 264/10/89-सीएस्स 8]  
के मी भिन्न उत्तरात्र

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd November, 1989

#### No. 56/89-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 964(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excises Rules, 1944, namely :—

- (1) These rules may be called the Central Excise (11th Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.
2. In rule 57F of the Central Excise Rules, 1944,—

(I) in sub rule (2), for clauses (a) and (b), the following clauses shall be substituted, namely :—

“(a) for the purposes of test, repairs, refining, reconditioning or carrying out any other operation necessary for the manufacture of the final products and return the same to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of such operation is also returned to the said factory;

(b) for the purpose of manufacture of intermediate products necessary for the manufacture of the final products and return the said intermediate products to his factory for further use in the manufacture of the final product or remove the same without payment of duty under bond for export, provided that the waste, if any, arising in the course of manufacture of such intermediate products is also returned to the said factory”;

(II) in sub-rule (3), for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the credit of specified duty in respect of inputs used in the final products cleared for export under bond or used in the intermediate products cleared for export in accordance with sub-rule (2), shall be allowed to be utilised towards payment of duty of excise on similar final products cleared for home consumption on payment of duty and, where for any reason, such adjustment is not possible, by refund to the manufacturer subject to such safeguards, condition and limitations as may be specified by the Central Government in the Official Gazette.”

[F. No. 264/10/89-CX.8]  
K.C. SINGH, Dy. Secy.